**भारत सरकार**
**वित्त मंत्रालय**
**आर्थिक कार्य विभाग**

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 1126**
(जिसका उत्तर सोमवार, 02 दिसम्बर, 2024/11 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है)

**पारिवारिक आय में गिरावट**

†**1126. श्रीमती धानोरकर प्रतिभा सुरेश:**

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मजदूरी दर में कम वृद्धि और मुद्रास्फीति में भारी वृद्धि के कारण वास्तविक पारिवारिक आय अभूतपूर्व रूप से कमी हुई है; और

(ख) यदि हां, तो देश की अर्थव्यवस्था के समक्ष आय में गिरावट की चुनौती से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)**

(क) राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी 2024 के अनुसार, परिवारों की सकल प्रयोज्य आय (परिवारों तक सेवा उपलब्ध कराने वाली गैर-लाभकारी संस्थाओं सहित) केवल चालू मूल्यों पर और वर्ष 2022-23 तक ही उपलब्ध है। वर्ष 2021-22 और 2022-23 के दौरान चालू मूल्यों पर सकल पारिवारिक प्रयोज्य आय में वृद्धि दर औसतन 13.5 प्रतिशत रही, जो औसत खुदरा मुद्रास्फीति 6.1 प्रतिशत से अधिक थी। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़ों से प्रदर्शित होता है कि कार्य बल भागीदारी दर 2022-23 में 56% से बढ़कर 2023-24 में 58.2% हो गई। पीएलएफएस के आंकड़ों से यह भी प्रदर्शित हुआ कि चालू साप्ताहिक स्थिति में औसत मजदूरी/आय अर्जन में हुई वृद्धि 2023-24 में खुदरा मुद्रास्फीति दर से अधिक रही। खुदरा मुद्रास्फीति दर 2023-24 में 5.4 प्रतिशत की तुलना में 2024-25 (अप्रैल- अक्तूबर) में घटकर 4.8 प्रतिशत हो गई।

(ख) सरकार द्वारा ईज ऑफ डूईंग बिजनैस, कौशल विकास, रोजगार सृजन और साथ ही साथ अवसंरचना निर्माण पर ध्यान केन्द्रित किए जाने से पारिवारिक आय में वृद्धि हेतु अनुकूल वातावरण तैयार होता है।

*****